RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 089
दि. 28.07.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'भारत गौरव के नए अध्याय लिख रहा है' - प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में साझा की प्रेरणादायक कहानियां

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को संबोधित करते हुए विज्ञान, खेल, संस्कृति और विरासत से जुड़ी उपलब्धियों पर गर्व जाहिर किया और कुछ प्रेरणादायक कहानियां भी साझा कीं. कार्यक्रम की शुरूआत में उन्होंने हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की सफल वापसी का जिक्र करते हुए कहा, "पिछले कुछ हफ्तों में, स्पोर्ट्स हो, साइंस हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर हर भारतवासी को गर्व है. अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी को लेकर देश में बहुत चर्चा हुई. जैसे ही शुभांशु धरती पर सुरक्षित उतरे, लोग उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई. पूरा देश गर्व से भर गया."

प्रधानमंत्री मोदी ने याद करते हुए कहा, "मुझे याद है, जब अगस्त

2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी तब देश में एक नया माहौल बना. साइंस को लेकर, स्पेस को लेकर बच्चों में एक नई जिज्ञासा भी जागी. अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं, हम भी स्पेस में जाएंगे, हम भी चाँद पर उतरेंगे - स्पेस साइंटिस्ट बनेंगे."

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में स्पेस स्टार्टअप्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा, "पांच साल पहले 50 से भी कम स्टार्टअप थे. आज 200 से ज्यादा हो गए हैं, सिर्फ स्पेस सेक्टर में. अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे है. आप इसे कैसे मनाएंगे, कोई नया आइडिया है क्या? मुझे NaMo App पर जरूर मैसेज भेजिएगा."

इसके साथ ही पीएम ने इंटरनेशनल ओलंपियाड में भारतीय छात्रों की सफलता पर भी रौशनी डाली और कहा, "कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में मेडल जीते हैं. देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्ज्वल केसरी, इन चारों ने भारत का नाम रोशन किया. मैथ्स की दुनिया में भी भारत ने अपनी पहचान को और मजबूत किया है.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात को देश का एआई इनेबल्ड गवर्नेंस लीडर बनाने के लिए एआई क्रियान्वयन का एक्शन प्लान मंजूर किया

गांधीनगर, 27 जुलाई : राज्य की शासन व्यवस्था में स्मार्ट डिसीजन, नागरिकोन्मुखी योजनाओं, सेवा वितरण प्रणाली तथा कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से तेज एवं प्रभावी रूप से मिले; इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने एक्शन प्लान फॉर इम्प्लिमेंटेशन ऑफ आर्टिफिशियल (एआई) 2025-2030 को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एआई के व्यापक उपयोग से डिजिटल एम्पावरमेंट तथा टेक्नोलॉजिकल सेक्टर में भारत को विश्व का नेतृत्व करने के लिए सज्ज बनाने की प्रतिबद्धता से सुसंगत गुजरात का यह एक्शन प्लान घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने टेक्नोलॉजी ड्रिवन गवर्नेंस तथा सामाजिक-आर्थिक विकास में गुजरात को अग्रसर रखते हुए विकसित गुजरात@2047 के विचार के साथ शासन व्यवस्था एवं सरकार के विभागों में एआई का समुचित उपयोग करने की घोषणा सोमनाथ में नवंबर-2024 में आयोजित वार्षिक चिंतन शिविर में की थी।

इस दृष्टिकोण के अनुरूप गवर्नेंस, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि, फिनटेक तथा अन्य मिशन-क्रिटिकल क्षेत्रों में एआई को राज्यव्यापी बनाने के लिए 10 सदस्यों की एक विशेषज्ञ एआई टास्कफोर्स समिति का गठन भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस टास्कफोर्स की सिफारिशों के आधार पर उनके समक्ष प्रस्तुत किए गए एक्शन प्लान फॉर इम्प्लिमेंटेशन ऑफ एआई 2025-2030 को अनुमोदन दिया है।

मुख्यमंत्री के दिशादर्शन में तैयार हुआ यह एक्शन प्लान राज्य सरकार को अत्याधुनिक एआई क्षमताओं से सज्ज करने के लिए टाइम बाउंड ब्लूप्रिंट के रूप में कार्य करेगा। इतना ही नहीं, सरलता से सेवा वितरण, बेहतर नागरिक जीवन की सुनिश्चितता, जीवन में गुणवत्ता वृद्धि से युक्त समृद्ध नवीनतापूर्ण एआई इकोसिस्टम भी स्थापित होगा।

इसके परिणामस्वरूप राज्य में एक समर्पित एआई तथा डीप टेक मिशन स्थापित होगा। यह मिशन राज्य सरकार में एआई स्ट्रैटेजिस तथा उभरती टेक्नोलॉजी के लिए डिजाइन, क्रियान्वयन एवं इनोवेशन में नेतृत्वकर्ता के रूप में एक विशिष्ट संस्थागत पद्धति के रूप में कार्य करेगा। इसके अलावा, स्टार्टअप्स, शैक्षणिक शोध-अनुसंधान तथा उद्योगों के सहयोग से सुदृढ़ इकोसिस्टम को बल देगा।

बलिया में सपा विधायक ने बयान पर दी सफाई, आस्था और शिक्षा को लेकर फिर दिए तर्क

बलिया, सपा नेता जियाउद्दीन रिजवी के बयान ने नया मोड़ ले लिया है।

कांवड़ यात्रा और आस्था को लेकर दिए गए उनके पुराने बयान ने हलचल मचा दी थी, लेकिन अब वे अपने शब्दों से पीछे हटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया और असली सन्दर्भ को नजरअंदाज किया गया। रिजवी ने यह भी स्पष्ट किया कि जो बातें उनके नाम से वायरल हो रही हैं, वो दरअसल किसी और का हवाला था। उन्होंने खुद को शरद यादव के एक पुराने भाषण से जोड़ा और कहा कि उस संदर्भ को गलत तरीके से पेश किया गया। साथ ही उन्होंने समाज में शिक्षा और धार्मिक आस्था के बीच के संतुलन पर एक गंभीर चर्चा छेड़ी।

उ0प्र0 के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

लखनऊ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर कानपुर मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय करे और कार्य शुरू कराए। सभी कार्यों की सतत निगरानी करते हुए कार्य समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित किये जाएं। उन्होंने इन कार्यों को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया।

मुख्यमंत्री जी ने संवाद के शुरूआत में जनपद कानपुर नगर, कानपुर देहात, फरुर्खाबाद, कन्नौज, इटावा एवं औरैया के विधायकों/जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की जमीनी परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह मण्डल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केन्द्र है। राज्य सरकार कानपुर मण्डल की औद्योगिक विरासत, शैक्षिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक चेतना को आधुनिक विकास की दिशा में ले जाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा कानपुर मण्डल के सभी 06 जनपदों के जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई, जिसकी अनुमानित लागत 10,914 करोड़ रुपये है।

श्रद्धालुओं की मौत से हिला यूपी, सीएम योगी ने परिवारों को दिलाया हर संभव मदद का भरोसा

(जीएनएस)।

श्रावण मास के पवित्र दिनों में हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ अचानक भगदड़ में तब्दील हो गई। सीढ़ियों पर मची अफरा-तफरी में 6 लोगों की जान चली गई, जिनमें से 4 उत्तर प्रदेश के थे। हादसे में 29 अन्य श्रद्धालु घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

रविवार को हुए इस हादसे ने न केवल वहां मौजूद श्रद्धालुओं को हिला दिया, बल्कि पूरे उत्तर भारत में दुख की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने मां मनसा देवी से घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मंदिर मार्ग से कुछ मीटर नीचे किसी ने बिजली का झटका लगने की अफवाह फैला दी थी। इसी अफवाह के चलते भीड़ में भगदड़ मच गई और लोग एक-दूसरे पर गिरते चले गए। पुलिस प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मृतकों में बरेली के 12 वर्षीय आरुष, रामपुर का विक्की सैनी, बाराबंकी के वकील सिंह और बदायूं की शांति शामिल हैं। सभी श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ दर्शन के लिए आए थे और हादसे का शिकार हो गए। इनकी पहचान लखनऊ से जारी आधिकारिक बयान में की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट करके कहा, "यह अत्यंत हृदय विदारक है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मां मनसा देवी से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति दें और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो।"

हरिद्वार के एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने बताया कि कुछ श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। करीब 35 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 6 की मौत की पुष्टि हुई। बाकी का इलाज हरिद्वार के जिला अस्पताल और एम्स ऋषिकेश में किया जा रहा है।

एसएसपी ने बताया कि हादसे की वजह कोई तकनीकी खराबी नहीं थी, बल्कि सीढ़ियों के पास अफवाह फैल गई थी कि बिजली का करंट दौड़ रहा है। इस डर से लोग भागने लगे और भगदड़ की स्थिति बन गई। प्रशासन ने घटनास्थल पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिसबल तैनात कर दिया है।

घायल श्रद्धालुओं की सूची में यूपी-बिहार के लोग शामिल

घायलों में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, मेनपुरी, बदायूं और बिहार के मोतीहारी, भागलपुर जैसे जिलों के श्रद्धालु शामिल हैं। इनमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी आयु वर्ग के लोग हैं। गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

अन्य घायल श्रद्धालु फिलहाल जिला अस्पताल में इलाजरत हैं और कुछ की स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी हुई है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

उत्तर प्रदेश के घायल श्रद्धालु

शीतल, उम्र 17 वर्ष, पुत्र तेजपाल, निवासी रामपुर

रोहित शर्मा, उम्र 21 वर्ष, पुत्र कमलेश शर्मा, जिला मेनपुरी

मनोज सना, उम्र 30 वर्ष, पुत्र भूरिया, निवासी बरेली

भूपेन्द्र, उम्र 16 वर्ष, पुत्र मुन्ना लाल, जिला बदायूं

विकास, उम्र 22 वर्ष, पुत्र

बिहार एसआईआर जांच में बड़ा खुलासा, 35 लाख वोटरों का नहीं है कोई अता-पता, कहां गए ये मतदाता?

बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। इस रिविजन में करीब 35 लाख वोटर या तो अपने पते पर नहीं मिल रहे हैं या फिर स्थायी रूप से वहां से पलायन कर चुके हैं। यह आंकड़ा मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है, खासकर ऐसे समय में जब भारत निर्वाचन आयोग (ECI) पूरे देश में विशेष इंटेंसिव रिविजन शुरू करने जा रहा है। बिहार में इतनी बड़ी संख्या में वोटरों का लापता मिलना संकेत देता है कि अगर यह प्रक्रिया देशभर में होती है तो और भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। कई राजनीतिक दलों ने पहले भी मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर चिंता जताई थी।

चिराग पासवान-प्रशांत किशोर हाथ मिला चुके हैं', पप्पू यादव ने बिहार राज्य विधानसभा चुनावों से पहले किया बड़ा दावा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) प्रमुख चिराग पासवान ने नीतीश कुमार की खिलाफत करते हुए मोर्चा खोल दिया है। एनडीए सरकार का हिस्‍सा होने के बावजूद चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के लिए कहा, "मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं।"

जिसके बाद चिराग पाववान को लेकर तमाम तरह के दावे किए जा रहे हैं। रविवार को बिहार सांसद पप्पू यादव ने भी चिराग पासवान को लेकर बड़ा ब्यान दिया है। इतना ही नहीं पप्पू यादव ने चिराग पासवान को इंडियागठबंधन में शामिल होने का न्यौता भी दे दिया है।

बिहार राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने रविवार को दावा किया कि केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान और जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के प्रमुख प्रशांत किशोर ने चुनावों के लिए हाथ मिला लिया है। पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्णिया सांसद ने कहा कि किशोर को पासवान को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए।

पप्पू यादव ने आगे कहा, अगर पासवान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ रहना नहीं चाहते हैं, तो वे उनका इंडिया गठबंधन में स्वागत करेंगे। पप्पू यादव ने कहा हर कोई जानता है कि अगर वे कुछ सीटें भी जीतते हैं, तो इससे जेडीयू और नीतीश जी के लिए परेशानी होगी। अगर चिराग जी को वहां अच्छा नहीं लगता है, तो हम इंडिया गठबंधन में उनका स्वागत करेंगे।" पूर्णिया सांसद की यह टिप्पणी पासवान द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर हमला करने के एक दिन बाद आई है। पासवान ने कहा था कि वर्तमान स्थिति में सरकार का समर्थन करने में उन्हें "दुख और शर्म" महसूस होती है। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले चुनावों के साथ, चिराग की सीधी आलोचना ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर हलचल पैदा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार मॉडल करेंगे रैंप वॉक, फैशन वर्ल्ड में भी खत्म होंगी जॉब?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल सिर्फ टेक्नोलॉजी में नहीं हो रहा है। आज एआई मॉडल रैंप वॉक कर रहे हैं, ड्रेस डिजाइन कर रहे हैं और यहां तक की फैशन शो के लिए थीम तक सजेस्ट कर रहे हैं।

दुनिया भर में Lil Miquela, Shudu, Imma जैसी डिजिटल इन्फ्लुएंसर बड़ी कंपनियों के लिए ब्रांड प्रमोशन कर रही हैं। साथ ही, करोड़ों की कमाई भी कर रही हैं। सवाल उठता है कि क्या इंसानी मॉडल्स और चेहरे अब पीछे छूटते जा रहे हैं? एआई मॉडल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्हें सेट पर बुलाने की जरूरत नहीं होती, न ही उन्हें मेकअप या ब्रेक की जरूरत होती है। बस एक कोड और एक डिजाइन फाइल से वे कभी भी, कहीं भी फोटोशूट और वीडियो फॉर्म तैयार हो सकते हैं।

राजस्थान स्कूल हादसे के बाद शिक्षा मंत्रालय सख्त, सभी स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य

(जीएनएस)।

राजस्थान के झालावाड़ जिले मनोहरथाना में सरकारी स्कूल बिल्डिंग गिरने और सात बच्चों की मौत के बाद शिक्षा मंत्रालय ने सख्त कदम उठाया है। मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी करते हुए बच्चों की सुरक्षा और मानसिक भलाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने को कहा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बता दें कि राजस्थान के झालावाड़ जिले में 25 जुलाई 2025 की सुबह सरकारी स्कूल भवन भरभराकर गिर गया। मलबे में दबने से 7 बच्चों की मौत हो गई जबकि करीब 30 बच्चे घायल हो गए। मृत बच्चों में मीना, उसका भाई कान्हा, कार्तिक, प्रियंका, कुंदन, पायल और

हरीश शामिल थे। हादसे के बाद शिक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर गाइडलाइन और निर्देश जारी किए हैं।

हर स्कूल में सुरक्षा ऑडिट जरूरी

सभी स्कूलों और बच्चों व युवाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले सार्वजनिक स्थलों में सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य किया गया है। इसके तहत भवन की संरचनात्मक मजबूती, फायर सेफ्टी, आपातकालीन निकासी मार्ग और बिजली व्यवस्था की गहन जांच की जाएगी। यह ऑडिट राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों और आपदा प्रबंधन दिशानिर्देशों के अनुरूप किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट संबंधित प्राधिकरण को सौंपनी होगी।

मंत्रालय ने कहा है कि स्कूल स्टाफ और छात्रों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल की ट्रेनिंग शामिल है। स्थानीय प्रशासन, एनडीएमए, दमकल विभाग, पुलिस और चिकित्सा एजेंसियों के साथ मिलकर समय-समय पर मॉक ड्रिल कराई जानी चाहिए।

सम्पादकीय

मोइज्जू का हृदय परिवर्तन

कभी भारत के खिलाफ 'इंडिया आउट' का नारा लगाकर सत्ता में आने वाले मोहम्मद मोइज्जू ने मालदीव को चीन के हाथों गिरवी रखने के लिए तैयार थे किन्तु जब दो दिवसीय यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लंदन से सीधे माले पहुंचे तो वहीं राष्ट्रपति मोइज्जू सारे प्रोटोकाल तोड़कर खुद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने अद्भुत मित्र की अगवानी करने पहुंच गए। शनिवार को राष्ट्रपति मोइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अद्भुत व्यक्ति हैं। भारत और मालदीव के बीच सदियों से अच्छे संबंध हैं और प्रधानमंत्री मोदी के समय दोनों देशों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

दरअसल मालदीव पूरी तरह चीन के डेब्ट डिप्लोमेसी का शिकार हो चुका था। किन्तु भारत ने मालदीव में चीन समर्थकों की हर खुराफात और षडांत्र का बहुत ही सावधानी से संभाला। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोइज्जू ने सामरिक और व्यापारिक समझौतों से यह स्पष्ट कर दिया कि अब मालदीव को इस बात का एहसास हो चुका है कि भारत ही उसकी मदद कर सकता है। भारत के साथ त्रण सुविधा, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और यूपीआई से संबंधित समझौतों पर राष्ट्रपति मोइज्जू ने कहा कि इससे आगे बढ़ने में मालदीव को मदद मिलेगी।

सच तो यह है कि हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी और अमेरिका की दिलचस्पी के कारण भारत के लिए मालदीव बहुत ही महत्वपूर्ण देश बन गया है। राष्ट्रपति मोइज्जू ने हिन्द महासागर को मालदीव और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंधों का जीवंत प्रमाण बताते हुए कहा कि दोनों देशों ने एक मजबूत और अटूट संबंध स्थापित किया है जो वूटनीति से परे हैं। जब राष्ट्रपति मोइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की और दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर इतना वुछ कह गए तो भला प्रधानमंत्री मोदी कहां पीछे रहने वाले। उन्होंने कहा कि भारत मालदीव के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर यह भी लिखा है कि हमारे देश बुनियादी ढांचा प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं।

यह सच है कि भारत इस बात को अच्छी तरह जानता है कि पड़ोसी जैसा दोस्त और दुश्मन दोनों ही नहीं मिलते। इसलिए जो पड़ोसी भारत के साथ खुरापात नहीं करते उनसे भारत खुश भी रहता है और हरसंभव सहायता भी करता है। इतना नहीं पड़ोसी देशों में वुछ जो भारत विरोधी तत्व संबंध खराब करने के उद्देश्य से अण्ड-बण्ड बयान देते हैं, भारत उन्हें भी नजरंदाज कर देता है। पिछले दिनों मालदीव ने भारत के खिलाफ जितना जहर उगला था, यदि उसका जवाब देने के लिए भारत तय कर लेता है तो दोनों के संबंध रसातल में चले जाते। पांडिचेरी में समुद्र के तट पर प्रधानमंत्री मोदी के वुसा पर बैठ जाने से मालदीव में मोइज्जू मंत्रिपरिषद के सदस्यों तक ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ टिप्पणी किए जिन्हें राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद से बाहर कर दिया था। उसी वर्ष यानि 2023-24 के बजट में मालदीव के लिए 770.90 करोड़ रुपए का प्रवधान करके भारत ने मालदीव के लोगों का दिल जीत लिया। असल में वर्ष 2022-23 में भारत ने मालदीव के लिए 400 करोड़ रुपए आवंटित किया था। किन्तु जब मालदीव की सरकार ने भारत को आंख तरेरनी शुरू की तो माना जा रहा था कि अब सरकार मालदीव को सबक सिखाएगी। किन्तु वित्त मंत्री ने बजट पेश किया तो यह राशि दोगुनी हो गई। पूरी दुनिया में भारत की उदारता की चर्चा हुई और मालदीव को लगा कि चीन ने तो इतनी महंगी ब्याज दर पर कर्ज दिया है फिर तो उनके लिए भारत ही अच्छा मित्र है।

लब्बोलुआब यह है कि यदि शनिवार को राष्ट्रपति ने भारत के प्रति जो विश्वास और आभार व्यक्त किया वह सही में वास्तविक है, तो निश्चित रूप से इस मैत्री भाव के वापसी से चीन को झटका लगना स्वाभाविक है। इतना तो तय है कि मोइज्जू का हृदय परिवर्तन मजबूरी में हुआ है।

बिल्हा ने देशभर में बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान - स्वच्छता में देशभर में प्रथम, 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की सराहना

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ की नगर पंचायत बिल्हा ने स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024झ25 में 20,000 से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए दिनांक 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य पुरस्कार समारोह में भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा बिल्हा नगर पंचायत को सम्मानित किया गया था। आज इस गौरवशाली उपलब्धि की प्रतिध्वनि 'मन की बात' के राष्ट्रीय मंच तक पहुँची, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में बिल्हा नगर पंचायत की महिलाओं द्वारा किए गए नवाचार और श्रम का उल्लेख करते हुए सराहना की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं को वेस्ट मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर बदल डाली। यह उल्लेख पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है, जिसने स्वच्छता को न केवल शासकीय योजना के रूप में, बल्कि सामुदायिक आंदोलन के रूप में अपनाया है। नगर पंचायत बिल्हा की आबादी लगभग 15,000 है, जहाँ 28 स्वच्छता दीदियाँ कार्यरत हैं। ये दीदियाँ नगर के 15 वार्डों में घर-घर जाकर ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं और फिर कचरे को रछफ्ट सेंटर में ले जाकर गीला और सूखा कचरा पृथक करती हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है और सूखे कचरे को बेचकर ये महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इसके अतिरिक्त बिल्हा नगर में 10 विशेष स्वच्छता कमांडो भी नियुक्त किए गए हैं जो ट्रैक्टर और ऑटो टिपर के माध्यम से पूरे शहर में घूमकर कचरा सफाई और जन-जागरूकता का कार्य कर रहे हैं।

बिल्हा नगर पंचायत द्वारा जन-जागरूकता अभियान, मुनादी, और घरों-दुकानों से सीधे कचरा संग्रहण जैसे कदमों से आज नगरवासी कचरे को पृथक कर ई-रिक्शा में देने के लिए प्रेरित हो चुके हैं। मुक्तिधाम, तालाब, गार्डन, सामुदायिक भवन आदि में सामूहिक सफाई अभियान भी समय-समय पर चलाए जाते हैं। इस सफलता का श्रेय सभी सफाई कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, नगर पंचायत के अधिकारियों, कर्मचारियों और सकारात्मक सोच वाले जनप्रतिनिधियों को जाता है, जो निरंतर निरीक्षण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में 20,000 से कम आबादी वाले 2000 से अधिक नगरीय निकाय हैं। भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से सफाई व्यवस्था का परीक्षण, जिसमें डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, रोड स्विपिंग, नाइट स्विपिंग, कचरा निपटान, शौचालयों और पार्कों की सफाई व्यवस्था सहित जनता से फीडबैक शामिल था, उसी के आधार पर यह सम्मान मिला है। इस अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, नगर पंचायत बिल्हा की अध्यक्ष श्रीमती वंदना जेन्ड्रे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रवीण सिंह गहलोत, उपाध्यक्ष श्री सतीश शर्मा, पीआईसी सदस्य श्री मोहन ढोरिया, तत्कालीन उप अभियंता श्री नरेंद्र दुबे, सफाई दरोगा श्री यशवंत सिंह, स्वच्छता सुपरवाइजर श्री राकेश डागोर, स्वच्छता दीदी श्रीमती पूजा राठौर एवं पीआईयू श्री अंकित दुबे विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किया है, वह सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण 2024झ25 में देशभर के 20,000 से कम आबादी वाले शहरों में प्रथम स्थान प्राप्त कर बिल्हा ने न केवल प्रदेश का मान बढ़ाया है, बल्कि यह सिद्ध किया है कि संकल्प, सहभागिता और सेवा भाव से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में बिल्हा की महिलाओं और उनके स्वच्छता नवाचार की प्रशंसा करना इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक बना देता है। यह समस्त छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है।

उपमुख्यमंत्री का वक्तव्य

उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024झ25 में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का मान पूरे देश में बढ़ाया है। यह सफलता हमारे नगरीय निकायों की प्रतिबद्धता, कार्यशैली और जनभागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य नगर निकायों को भी नई प्रेरणा देगी और हम सब मिलकर

'मैं भारत से प्यार करती हूं, लेकिन', अमेरिका से आई महिला के रियल रिव्यू ने जीता दिल

(जीएनएस)।

भारत में रहने वाली अमेरिकी कटेंट क्रिएटर क्रिस्टन फिशर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। महिला ने भारत में रहकर जो देखा समझा और जाना उस पर अपना अनुभव शेयर किया हैं।

हालांकि, कंटेंट क्रिएटर ने यह भी कहा कि कोई भी देश परफेक्ट नहीं होता और भारत में उसे जो चीजें पसंद और नापसंद थीं, उनकी एक लिस्ट भी शेयर की है।

मुझे भारत से प्यार है, लेकिन...

फिशर ने वायरल पोस्ट में लिखा,' भारत में रहने वाली एक विदेशी होने के नाते, मुझे यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है कि कोई भी जगह परफेक्ट नहीं होती। मुझे भारत से प्यार है, लेकिन यह किसी भी तरह से परफेक्ट नहीं है। इसमें जरूर कुछ खामियां और कुछ पहलू हैं जो मुझे पसंद नहीं हैं।'

अमेरिका में भी अपनी समस्याएं

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में भी अपनी समस्याएं हैं और यह देश उतना परफेक्ट नहीं है जितना दूसरे लोग सोचते हैं। उन्होंने लिखा कि, 'हम जहां भी जाएं, खामियां होंगी और हमारा काम है कि हम हर चीज में अच्छाई देखना सीखें, चाहे कुछ भी हो। मेरा मानना है कि हम चाहे कहीं भी हों, अपनी खुशी खुद बनाने की ताकत रखते हैं।'

फिशर को भारत में क्या पसंद है और क्या नहीं, उसकी लिस्ट ये रही-मुझे अपने परिवार की याद आती है। मुझे भारतीय खाना ज्यादा पसंद है। मुझे माइनॉरिटी होना पसंद है, मुझे दिल्ली का पॉल्यूशन पसंद नहीं है, भारत बच्चों के लिए एक

बेहतर जगह है, मुझे लगता है कि शाकाहारी होना बेहतर है, भारत एक ज्यादा शालीन देश है, मुझे सड़कों पर पड़े कचरे से नफरत है, यहां खाना ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक है, भारत में मेहमाननवाजी बेहतर है, स्थानीय खेती बेहतर है

फिशर ने वीडियो के अंत में कहा कि 'मुझे नहीं लगता कि भारत परिपूर्ण है। हमें अपनी खुशी खुद ढूंढनी होगी।'

ज्यादातर लोग फिशर के नजरिए से सहमत

वीडियो को हजारों लोग देख चुके हैं और सैकड़ों कमेंट्स हैं, जिनमें से ज्यादातर फिशर के नजरिए से सहमत थे। एक यूजर ने लिखा, 'मैं आपकी ईमानदारी की प्रशंसा करता हूं और आप बिल्कुल सही हैं! कोई भी जगह परफेक्ट नहीं होती।' एक अन्य यूजर ने कहा, 'आपकी हर बात से सहमत हूं। भारत परफेक्ट नहीं है, लेकिन हम इसे एक ऐसा परिपूर्ण राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं जैसा हम चाहते हैं।'

एक अन्य यूजर ने लिखा, 'बहुत ही प्रेरणादायक पोस्ट। मैं पिछले कुछ समय से नकारात्मक चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। लेकिन आपकी इस पोस्ट और आपके लेखन ने मुझे सकारात्मक चीजों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।'

'यहां मैं कुछ अद्भुत लोगों से मिली हूं'

चार बच्चों की मां फिशर ने पिछले वीडियो में कहा था कि उन्हें भारत में बसने के अपने फैसले पर कोई 'अफसोस' नहीं है, जहां उन्होंने अद्भुत लोगों से मुलाकात की है और अद्भुत जगहें देखी हैं। फिशर ने कहा कि, 'हम चार साल पहले अपने परिवार के साथ भारत आए थे और हमें इसका जरा भी अफसोस नहीं है। इन पिछले चार सालों में मैं कुछ अद्भुत लोगों से मिली हूं, कुछ अद्भुत जगहें देखी हैं, कुछ बेहतरीन खाना खाया है और हमेशा के लिए अपना मन बदल लिया है।'

गिल की कुटाई से टूटा इंग्लैंड का दिल, सीरीज में चौथा शतक जड़ लिखा नया इतिहास, तोड़े कई रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट मैच के पांचवें दिन के पहले सेशन में टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा। केएल राहुल अपने शतक के करीब जाकर आउट हो गए, राहुल के बल्ले से 90 रनों की पारी देखने को मिली। इससे गिल के ऊपर भी दबाव बना।

इसके बाद पांचवें नंबर पर खेलने के लिए एक दिलचस्प बदलाव के साथ वॉशिंगटन सुंदर को भेजा गया और उनका काम ज्यादा से ज्यादा गेंदों को खेलना था। उधर गिल भी दूसरे छोर पर टिके हुए थे लेकिन उन्होंने भी अपनी बैटिंग को काफी धीमा कर दिया, हालांकि बाद में नई गेंद आते ही उन्होंने शतक जड़कर इतिहास रच दिया।

शुभमन गिल अब एक टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान खेलते हुए सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले दुनिया भर में दो कप्तान ऐसा कर पाए थे, इस लिस्ट में पहला नाम डॉन ब्रैडमैन और दूसरा नाम सुनील गावस्कर का है।

एक टेस्ट सीरीज में कप्तान के रूप में सर्वाधिक शतक

4 - सर डॉन ब्रैडमैन ५२ भारत, 1947/48 (घरेलू सीरीज)

4 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू सीरीज)

4 - शुभमन गिल ५२ इंग्लैंड, 2025 (विदेश में सीरीज)

भारत की ओर से एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक

4 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1971 (विदेश में सीरीज)

4 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू सीरीज)

4 - विराट कोहली ५२ ऑस्ट्रेलिया, 2014/15 (विदेश में सीरीज)

4 - शुभमन गिल ५२ इंग्लैंड, 2025 (विदेश में सीरीज)

भारत के लिए एक टेस्ट सीरीज में 700+ रन बनाने वाले बल्लेबाज

774 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1971 (विदेश में सीरीज)

732 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू सीरीज)

712 - यशस्वी जायसवाल ५२ इंग्लैंड, 2024 (घरेलू सीरीज)

701* - शुभमन गिल ५२ इंग्लैंड, 2025 (विदेश में सीरीज)

शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी डेब्यू सीरीज में चार शतक लगाए हैं।

नेटाफिम इंडिया, ऑर्बिया की प्रिसिजन एग्रीकल्चर कंपनी, सटीक सिंचाई के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की 60 वर्षों की यात्रा और व्यवसाय का उत्सव मना रही है

उत्तर प्रदेश की गन्ना खेती में यूनीरेम ट्ठ, ड्रिप नेट पी सी ट्ठ, टाइफूनट्ठ और पी सी जे ट्ठ ड्रिपर्स जैसी नेताफिम की तकनीकों का उपयोग

लघु जोत वाले किसान और महिला किसानों को प्राथमिकता

(जीएनएस)।

नेटाफिम इंडिया, नेटाफिम ऑर्बिया की प्रिसिजन एग्रीकल्चर व्यवसाय की एक सहायक कंपनी है, जो सटीक सिंचाई समाधानों की वैश्विक स्तर पर अग्रणी आपूर्तिकर्ता है। यह कंपनी कृषि में नवाचार, प्रभावशीलता और नेतृत्व के 60 वर्षों का मील का पत्थर पार कर रही है। इस यात्रा में कंपनी ने खाद्य सुरक्षा की नींव मजबूत की, जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए खेती को सक्षम बनाया और दुनिया भर के किसान समुदायों को सशक्त किया।

इस 60 वर्षों की यात्रा के उपलक्ष्य में नेटाफिम इंडिया देशभर के दस राज्यों में एक व्यापक किसान सशक्तिकरण अभियान चलाने जा रही है। इसका उद्देश्य एक लाख से अधिक किसानों तक पहुंच बनाना है, जिसमें लघु जोत वाले, महिला किसान और किसान उत्पादक समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत में अब तक कंपनी 12 लाख किसानों तक पहुंच चुकी है और 13 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को स्मार्ट सिंचाई के अंतर्गत लाया गया है। कंपनी की सटीक सिंचाई तकनीक के कारण भारतीय किसानों की उपज में 30 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और पानी की खपत में 50 प्रतिशत तक की कमी आई है। इससे जलवायु परिवर्तन का सामना करने वाली और जल दक्ष खेती संभव हो पाई है।

नेटाफिम इंडिया के प्रबंध निदेशक रणधीर चौहान ने कहा, ह्लदुनियाभर में 60 वर्षों का पड़ाव पार करते हुए हमारा मूल उद्देश्य आज भी वही है झ भारतीय किसानों को कम संसाधनों में अधिक प्रगति करने में मदद करना। यह पड़ाव केवल पीछे मुड़कर देखने का नहीं, बल्कि समावेशी, स्मार्ट और जलवायु-अनुकूल खेती का भविष्य गढ़ने की हमारी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करने का अवसर है। भारत की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विविधता की गहरी समझ रखने वाली कंपनी के रूप में हम सरकार के साथ विभिन्न नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन में भागीदार हैं। इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनी के रूप में हमने देशभर के लघु और सीमांत किसानों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार समाधान विकसित किए हैं। हमारी यात्रा किसानों के विश्वास, हमारी साझेदारियों की ताकत और हमारे कर्मचारियों के जोश पर आधारित है झ और यही हमारी असली ताकत है।

वर्तमान में भारतभर में नेटाफिम के 1200 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और नेटाफिम द्वारा '60 इयर्स ऑफ लीडरशिप' यानी 60 वर्षों के नेतृत्व का यह कर्मचारी-केंद्रित अभियान चलाया जाएगा। इसमें '60 डेज ऑफ इम्पैक्ट' नामक एक स्वैच्छिक पहल भी शामिल है, जिसमें कर्मचारी सीधे किसानों से संवाद करेंगे। 'वॉयसेज ऑफ नेटाफिम' नामक श्रृंखला के माध्यम से कर्मचारियों की प्रेरणादायी यात्रा को उजागर किया जाएगा। इसके अलावा, भविष्य के कृषि-कुशल व्यक्तियों को तैयार करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। देशभर के नेटाफिम इंडिया कार्यालयों, फैक्ट्रियों और फील्ड यूनिट्स में एक साथ मिलकर मनाया जाने वाला यह उत्सव 'व्हेयर पर्पज कम्स टू लाइफ' (जहां उद्देश्य साकार होता है) इस मूल्यवचन पर फिर से ध्यान केंद्रित करेगा।

पिछले एक वर्ष में नेटाफिम ने कई नवाचारों की शुरूआत की है। इनमें ग्रोस्फिअर नामक डिजिटल खेती के लिए ऑपरेटिंग सिस्टम शामिल है, जो दैनिक निर्णय प्रक्रिया में सटीकता लाता है। साथ ही, वेल्डेड आउटलेट वाला दुनिया का पहला हाइब्रिड ड्रिपर भी कंपनी ने पेश किया है, जो सिंचाई दक्षता में उल्लेखनीय सुधार करता है। भारत में कंपनी ने 'तूफान' ड्रिपलाइन नामक उच्च दक्षता वाला उत्पाद लॉन्च किया है, जिसे विशेष रूप से लघु और सीमांत किसानों के लिए डिजाइन किया गया है। महाराष्ट्र की अंगूर बागवानी, तमिलनाडु की केले की खेती, गुजरात की कपास और उत्तर प्रदेश की गन्ना खेती में यूनीरेम ट्ठ, ड्रिप नेट पी सी ट्ठ, टाइफूनट्ठ और पी सी जे ट्ठ ड्रिपर्स जैसी नेताफिम की तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ संसाधनों की बचत भी हो रही है।

हरियाली तीज पर एलसीडब्लूडब्लू के 'मेघ मल्हार' ने बरसाई सांस्कृतिक छटा

(जीएनएस)।

लखनऊ, 27 जुलाई 2025 — सावन और हरियाली तीज के पावन अवसर पर लखनऊ कनेक्शन वर्ल्डवाइड (LCWW) द्वारा होटल रोसेल इन में आयोजित सांस्कृतिक

संध्या "मेघ मल्हार" ने श्रोताओं का मन मोह लिया। इस आयोजन में श्रावण मास की पावनता, नारी शक्ति की भक्ति, और लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया।

इस भव्य आयोजन की योजना जनाब शोएब कुरैशी, रश्मि मिश्रा, राहुल पांडेय, राजीव सक्सेना, प्रदीप शुक्ला, विनोद श्रीवास्तव, नीरजा शुक्ला और राजेन्द्र सिंह पवार द्वारा मिलकर की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा श्री पवार ने संभाली, जबकि मंच संचालन रश्मि मिश्रा और राहुल पांडेय ने ऊर्जा और आत्मीयता के साथ किया।

मुख्य अतिथि आकाशवाणी लखनऊ के निदेशक श्री अजीत चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

✨ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँः

नृत्यः

"टिप टिप टिप टिप बारिश शुरू हो गई" — राजेन्द्र पवार, अन्विता, रमा, प्रियंका और मीनाक्षी द्वारा जोश से भरी प्रस्तुति।

हरियाली लोकगीतों की प्रस्तुति — नीरजा शुक्ला, सुषमा प्रकाश, शशि किरण, अन्विता, ममता श्रीवास्तव और इन्दु सरस्वत की मनभावन प्रस्तुति।

"सावन मोहे तरसाए" — ईला गुप्ता द्वारा भावपूर्ण शास्त्रीय नृत्य।

संगीतः

"ना झटको जुल्फ से पानी" — राहुल पांडेय की शानदार प्रस्तुति।

"हाय रे हाय नींद नहीं आए" — राहुल पांडेय और रश्मि मिश्रा की मधुर युगल प्रस्तुति।

"हाय हाय ये मजबूरी" — नम्रता मिश्रा की प्रभावशाली प्रस्तुति।

"सावन का महीना पवन करे शोर" — सौरभ और अंकिता गुप्ता की मोहक युगल प्रस्तुति।

"रिमझिम गिरे सावन" — रमन श्रीवास्तव की सधी हुई प्रस्तुति।

✿ विशेष आयोजनः

जनाब शोएब कुरैशी ने सभी महिला प्रतिभागियों को सावन और तीज के उपलक्ष्य में उपहार भेंट कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

इस अवसर पर नीरजा- अनिल शुक्ला, शशि किरण - ध्रुव खरे, और रिचा - डी.के. श्रीवास्तव की वैवाहिक वर्षगाँठ, तथा रिचा श्रीवास्तव, प्रियंका पांडेय, चित्रा वेंकटरमन, डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल, राखी लखन, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, साधना श्रीवास्तव और मृदुला श्रीवास्तव के जन्मदिन मंच पर धूमधाम से मनाए गए। इस सुंदर आयोजन का संयोजन अन्विता मनीष और मनीष भारती ने किया।

कार्यक्रम के दौरान LCWW की ई-पत्रिका 'Lucknow Connection Worldwide Group' के चौथे संस्करण का लोकार्पण भी मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य संपादक अल्का प्रमोद और सह-संपादक कविता मिश्रा उपस्थित रहीं।

पर्दे के पीछे से अथक परिश्रम करने वाले अन्विता मनीष, अनिल शुक्ला जूनियर, रमा कर्णवाल, ममता श्रीवास्तव, इशु गुप्ता, अनामिका गुप्ता सूरी और पवन सूरी के योगदान को सराहते हुए धन्यवाद दिया गया।

छउहह के पूर्व कार्यक्रम "स्वर संजीवनी" में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले डॉ. विश्वास वर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

"मेघ मल्हार" ने एक बार फिर सिद्ध किया कि LCWW न केवल लखनऊ की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा है, बल्कि उसे जीवंत और समृद्ध बनाए रखने के लिए समर्पित भी है।

अग्रसेन मानव सेवा मंडल ने हरियाली तीज पर आयोजित किए रंग-बिरंगे कार्यक्रम

(जीएनएस)।

श्री अग्रसेन मानव सेवा मंडल महिला प्रकोष्ठ द्वारा हरियाली तीज का कार्यक्रम गोवर्धन स्थित अशोक गार्डन में मनाया गया। सावन के महीने में महिला सदस्यों ने तीज के त्यौहार का लुत्फ लेते हुए राजस्थानी थीम पर कार्यक्रम को सजाया। कार्यक्रम में सभी बहनों ने राजस्थानी परिधान, राजस्थानी गेम्स, व्यंजन और हाऊजी का आनन्द उठाया। इस मौके पर बहनों द्वारा सावन के गीतों और शिव-पार्वती से भजनों पर अपनी-अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजिका जेस्मिनी अग्रवाल और गुंजन अग्रवाल के साथ ममता बिंदल, पुष्पा अग्रवाल, अध्यक्ष सुनीता सिंघल और मंत्री प्राची बंसल ने सभी बहनों को श्रृंगार का सामान भेंट स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में माया, स्नेहलता, लता, मंजूलता, मीता, रेखा, ज्योति, तृप्ति, योगिता, आशा, स्वेता, रिमझिम, बरखा, बबीता, मोनिका, नीतू, राधिका, कीर्ति, धरा और विनीता आदि शामिल हुईं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

वडोदरा मंडल ने डिजिटल क्रांति में रचा नया इतिहास

डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत भारतीय रेलवे द्वारा डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत वडोदरा रेल मंडल ने एक नई मिसाल कायम की है। मंडल के पीआरएस (ढंरशेल्लौं१ फीरी१५ङ्ग्ल्ल र८२३ी) काउंटरों पर डिजिटल माध्यमों से टिकट बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

केवल तीन महीनों के भीतर पीआरएस डिजिटल बुकिंग का प्रतिशत 16.17% से बढ़कर 61.88% हो गया है, जो कि यात्रियों की बदलती प्राथमिकताओं और मंडल द्वारा की गई डिजिटल सुविधाओं के प्रचार-प्रसार का प्रत्यक्ष परिणाम है।

मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि यात्रियों को डिजिटल भुगतान के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए लगातार किए गए प्रयासों, जागरूकता अभियानों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। यात्री अब यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड जैसे सुरक्षित और त्वरित डिजिटल विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे टिकटिंग प्रक्रिया न केवल अधिक पारदर्शी हो रही है, बल्कि समय की भी बचत हो रही है।

भारतीय रेलवे द्वारा डिजिटल माध्यमों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान और आवश्यक तकनीकी अधोसंरचना को विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक और कुशल सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में रेल पटरियों और डिब्बों का तेजी से उन्नयन हो रहा है

टैम्पिंग और गिट्टी सफाई मशीनों की तैनाती से जम्मू-कश्मीर में यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित हुई है

भारतीय रेलवे ट्रैक कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्य स्थितियों में सुधार के लिए दोषों का पता लगाने हेतु एआई का उपयोग करेगाः केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

कश्मीर घाटी में संचालित डेमू मेमू डिब्बों को समयबद्ध तरीके से नए रेल संपर्क के माध्यम से लखनऊ कारखाने में पहुंचाया जा रहा है ताकि उनकी आवधिक मरम्मत की जा सके और उन्हें नवीनतम यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके

ढङ्ग२३ीं डल्लः 27 खवछ 2025 9:25अट ु८ ढक्ह ऊॅ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 06 जून 2025 को चिनाब और अंजी पुलों के साथ उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का उद्घाटन किया। यह कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच संपर्क स्थापित करने में एक ऐतिहासिक औ प्रमुख उपलब्धि है।

कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी इस मार्ग पर परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गई है।

रेल लाइन का रखरखावः नई रेलगाड़ी सेवाओं के अलावा, इस लाइन के शुरू होने से कश्मीर घाटी में रेल पटरियों के रख-रखाव की क्षमता में बुनियादी बदलाव आया है। रेलवे लिंक ने कश्मीर घाटी में रेल लाइन के रखरखाव वाली मशीनों की आवाजाही को सक्षम बनाया है। पहले रेल लाइनों का मानवीय रखरखाव के विपरीत, अब रखरखाव आधुनिक मशीनों से किया जा रहा है। इससे रेल लाइन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ट्रैक मशीनों की तैनाती में वृद्धिः कश्मीर घाटी में रेलवे लाइनों की रखरखाव गतिविधियों को मजबूत करने के लिए, मशीनों की तैनाती को निम्नानुसार बढ़ाया गया है:

1. जून 2025 की शुरूआत से एक टैम्पिंग मशीन तैनात की गई है। यह मशीन रेल पटरियों के उचित प्रकार से एक सीध में रखने और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पटरियों के नीचे पत्थर के टुकड़े भरती है। इसने अब तक घाटी में लगभग 88 किलोमीटर रेलवे पटरियों के नीचे पत्थर के टुकड़े भरे हैं। इससे गिट्टी की गद्दी में सुधार हुआ है और इससे रेल यात्रा सुगम होगी।

2. इस मार्ग पर दो गिट्टी सफाई मशीनें (बीसीएम) भी तैनात की गई हैं। गिट्टी पटरियों पर जमा होने वाले पत्थर के टुकड़े हैं। यह रेलवे पटरियों को सहारा प्रदान करती है। ये मशीनें मिलकर काम कर रही हैं और लगभग 11.5 किलोमीटर पटरियों की गहराई से स्क्रीनिंग कर चुकी हैं। स्वच्छ गिट्टी से परिचालन सुरक्षित होता है।

3. जुलाई 2025 में घाटी में दो अतिरिक्त बीसीएम भेजी गईं। इन मशीनों ने गहराई से स्क्रीनिंग की है और लगभग 2.5 किलोमीटर पटरियों की सफाई की है।

4. गिट्टी की पुनः प्राप्ति द्वारा टैम्पिंग और डीप स्क्रीनिंग कार्य को पूरा करने के लिए, कठुआ, काजीगुंड, माधोपुर और जींद स्थित गिट्टी डिपो से कश्मीर घाटी के रेल्वे मार्ग पर 17 गिट्टी रेक भेजे गए और उतारे गए। परिणामस्वरूप, 19,000 घन मीटर गिट्टी भरी गई।

5. ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) और ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओएमएस) रन भी क्रमशः जून, 2025 और जुलाई, 2025 में किए गए। रेलवे पटरी की गुणवत्ता का आकलन किया गया है और ध्यान देने योग्य रेलवे पटरी खंडों की पहचान की गई है।

इन सभी कार्यों से कश्मीर घाटी में रेलवे पटरियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

(घाटी अनुभाग में काम करने वाली टैम्पिंग मशीन)

(घाटी अनुभाग में काम करने वाली गिट्टी सफाई मशीन)

पूरे देश में रेलवे लाइन का उन्नयनः देश भर में रेलवे पटरियों को उन्नत किया जा रहा है। बेहतर ट्रैक सुरक्षा से यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वर्ष 2025 की शुरूआत तक, भारत के 78 प्रतिशत ट्रैक 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की गति तक अपग्रेड हो चुके होंगे। वर्ष 2014 में यह संख्या सिर्फ 39 प्रतिशत थी। पिछले दशक में पटरियों की कुल लंबाई में वृद्धि के आलोक में इस उच्च अनुपात को देखा जाना चाहिए। वर्ष 2014 में पटरियों की कुल लंबाई 79,342 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1 लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है।

ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए कार्य स्थितियों में सुधार केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "हम ट्रैक प्रौद्योगिकी और रखरखाव प्रथाओं को उन्नत करके ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार करेंगे। आधुनिक ट्रैक फिटिंग, ट्रैक मशीनों का उपयोग, अल्ट्रा साउंड फ्रैक्चर डिटेक्शन मशीन, सड़क सह रेल वाहन और एकीकृत ट्रैक माप मशीनें हमारे ट्रैक रखरखाव को वैज्ञानिक बना देंगी। एआई का उपयोग दोषों का पता लगाने में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। इन तकनीकी परिवर्तनों से ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए काम करने की स्थिति में काफी सुधार होगा।

जम्मू-कश्मीर में यात्री कोच अपग्रेडेशन का नया दौर

ट्रैक अपग्रेडेशन के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में यात्री डिब्बों के रखरखाव और उन्नयन में एक आदर्श बदलाव आया है।

जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक के शुरू होने तक, कश्मीर घाटी का शेष भारतीय रेलवे नेटवर्क के साथ कोई रेल संपर्क नहीं था। कश्मीर घाटी में डीईएमयू/एमईएमयू रेकों को आवधिक अनुरक्षण और उन्नयन के लिए कार्यशाला में नहीं लाया जा सका।

सड़क ट्रेलरों पर बडगाम से लखनऊ तक बोगियों को लाकर आवधिक मरम्मत (पीओएच) की जा रही थी। यह स्थिति सामान्य से कमजोर थी। पहली बार घाटी से रेक पीओएच के लिए रेल के माध्यम से लखनऊ लाए गए हैं।

बडगाम के सभी रेकों की स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार किया जा रहा है। निम्नलिखित रेकों का अनुरक्षण और उन्नयन किया जा रहा है

एक मेमू रेक का पीओएच पूरा हो गया है। उन्नत मेमू रेक अब घाटी में चालू है। एक अन्य मेमू रेक का पीओएच जुलाई, 2025 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

चारबाग कारखाने में एक डेमू रेक का पीओएच पूरा हो गया है। चारबाग कारखाने में एक और डेमू रेक का पीओएच कार्य जारी है। इसके अगस्त, 2025 के मध्य तक पूरा होने की संभावना है।

जालंधर शेड में एक और डेमू रेक का नवीकरण किया जा रहा है। इसके जुलाई, 2025 के अंत तक चालू होने की संभावना है।

चारबाग कारखाने और जालंधर शेड में चार और डीईएमयू रेकों के उन्नयन की योजना बनाई गई है।

किए जा रहे उन्नयन कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:

एक नए जीवंत रंग के साथ पूरे रेक के विरोधी भित्तिचित्रों के साथ बाहरी पीयू पेंटिंग

शौचालयों में बायो टैंक लगाना

शौचालयों के समुचित कार्य के लिए नए पानी चढ़ाने वाले पंपों की फिटिंग

सीटों की मरम्मत और पॉली काबोर्नेट सीटों के साथ प्रतिस्थापन

नए स्टैंडिंग हैंडल का प्रावधान

पीवीसी फर्श का नवीनीकरण

सभी स्टेनलेस स्टील की वस्तुओं की बफिंग

सभी खिड़कियों की मरम्मत और हॉपर प्रकार की खिड़कियां सुनिश्चित करना

सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली का समुचित कार्य सुनिश्चित करना

पानी चढ़ाने वाले उपकरणों की आपूर्ति के लिए पर्याप्त विद्युत और स्विच पैनल पर स्वचालित परिवर्तन का प्रावधान। इससे गर्मी के मौसम में जनरेटर की आपूर्ति न होने पर भी पानी चढ़ाने वाले उपकरणों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित होगा।

ए और सी प्रकार के मोबाइल चार्जिंग सॉकेट (इनबिल्ट शॉर्ट सर्किट और अधिभार संरक्षण के साथ) और पंखों के लिए मॉड्यूलर स्विच का प्रावधान

विलासपुर डिविजन में इंजिनियरिंग कार्य हेतु लिए गए ब्लॉक के कारण 27 अगस्त की पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट ट्रेन रद्द

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विलासपुर मंडल के रायगढ़-झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथी लाइन को कनेक्टिविटी प्रदान करने से संबंधित कार्य हेतु ब्लॉक लिया गया है। इस ब्लॉक के चलते भावनगर मंडल के पोरबंदर स्टेशन से चलने वाली पोरबंदर-शालीमार द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन 27 अगस्त, 2025 को रद्द रहेगी। भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार प्रभावित ट्रेन का विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

निरस्त ट्रेनें

ट्रेन नंबर 12905 पोरबंदर-शालीमार द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट 27.08.2025 को निरस्त रहेगी।

ट्रेन नंबर 12906 शालीमार-पोरबंदर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट 29.08.2025 को निरस्त रहेगी।

उपरोक्त ट्रेन के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गन्ने के खेतों में छिपे ड्रोन ऑपरेटर की अफवाह, गांव में पहरा, पुलिस बोली- कोई सबूत नहीं मिला

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों के कई गांवों में इन दिनों एक अनजानी चिंता गहराती जा रही है। रात के अंधेरे में आसमान में उड़ते ड्रोन लोगों की नींदें उड़ा रहे हैं। कहीं गांव वाले पहरा दे रहे हैं तो कहीं फायरिंग तक की खबरें हैं।

औरंगाबाद थाना क्षेत्र के राजगढ़ी गांव में शनिवार रात को एक ड्रोन मंडराता देखा गया। लोगों ने शोर मचाया और खेतों की घेराबंदी की। यहां तक कि फायरिंग भी की गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि फायरिंग की बात झूठी है।

अब हालात यह हैं कि कई गांवों में रात में ग्रामीण हाथों में लाठी और टॉर्च लेकर गश्त कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इन ड्रोन को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं लेकिन पुलिस इसे अफवाह करार दे रही है।

20 से ज्यादा गांवों में दिखे ड्रोन

औरंगाबाद से लेकर शमशाबाद, भीखनपुर और मूढ़ी बकापुर जैसे गांवों तक ड्रोन की मौजूदगी की खबरें फैली हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये ड्रोन रात में घरों की छतों को स्कैन करते हैं और इन्हें चोर गिरोह चला रहा है।

लोगों को डर है कि ये ड्रोन पशु चोरी या घर में सेंधमारी की साजिश से

जुड़े हो सकते हैं। कुछ ने दावा किया है कि ड्रोन में रंग-बिरंगी लाइटें लगी थीं जो कई मिनट तक हवा में मंडराती रहीं।

खेतों में छिपे होने की आशंका पर हड़कंप

राजगढ़ी गांव के कुछ लोगों का कहना है कि ड्रोन उड़ाने वाले शरारती तत्व गन्ने के खेतों में छिप गए थे। ग्रामीणों ने चारों तरफ से खेतों को घेर लिया और तलाशी अभियान चलाया लेकिन कोई पकड़ में नहीं आया।

उसके बाद लोगों द्वारा थाने पर सूचना देने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई। हालांकि इस मामले में अभी तक किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

फर्जी अफवाहें हैं, सतर्क रहें ग्रामीण

औरंगाबाद थाने के एसओ वरुण शर्मा ने स्पष्ट किया कि ड्रोन को लेकर फैलाई जा रही बातें महज अफवाहें हैं। उन्होंने कहा कि फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई है और गांव वालों को अफवाहों से सतर्क रहने की जरूरत है।

पुलिस का यह भी कहना है कि कई टीमों ने रात में इलाके में गश्त की थी लेकिन उन्हें कुछ ऐसा या फिर असामान्य नहीं मिला। फिलहाल, इस मामले को लेकर गावों में तरह-तरह की चर्चा चल रही है।

वायरल वीडियो से पिलखुवा में मचा हड़कंप

गढ़मुक्तेश्वर के बाद अब पिलखुवा के मोहल्ला प्रहलादनगर में भी ड्रोन देखने का दावा किया गया है। एक युवक ने रात 12:30 बजे आसमान में मंडराते ड्रोन का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

वीडियो वायरल होते ही इलाके में चचाओं का दौर शुरू हो गया। कोई इसे हवाई जहाज बता रहा है तो कोई शरारती तत्वों की करतूत। कई लोगों का कहना है कि ऐसी अफवाहें केवल भ्रम पैदा कर रही हैं।

श्रावणी मेला में श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये गोरखपुर -आसनसोल एक्सप्रेस के फेरों की बढ़ी संख्या

(जीएनएस)।

श्रावणी मेला में श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 27 जुलाई, 2025 रविवार को तथा गोरखपुर से 28 जुलाई, 2025 सोमवार को एक फेरे हेतु निम्नवत किया जायेगा।

03527 आसनसोल-गोरखपुर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 27 जुलाई, 2025 रविवार को आसनसोल से 21.00 बजे प्रस्थान कर चित्तरंजन से 21.30 बजे, मधुपुर से 22.25 बजे, जसीडीह से 23.05 बजे, दूसरे दिन झाझा से 00.30 बजे, किऊल से 01.07 बजे, मोकामा से 01.42 बजे, बख्यितयारपुर से 02.17 बजे, पटना

से 03.30 बजे, पाटलिपुत्र से 04.30 बजे, छपरा से 07.00 बजे, सीवान से 08.05 बजे तथा देवरिया सदर से 09.12 बजे छूटकर गोरखपुर 10.45 बजे पहुँचेगी।

गोरखपुर - आसनसोल एक्सप्रेस के फेरों की बढ़ी संख्या, देखें डिटेल

वापसी यात्रा में, 03528 गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 28 जुलाई, 2025 सोमवार को गोरखपुर से 13.45 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 15.10 बजे, सीवान से 16.25 बजे, छपरा से 17.50 बजे, पाटलिपुत्र से 20.00 बजे, पटना से 20.35 बजे, बख्यितयारपुर से 21.25 बजे, मोकामा से 22.07 बजे, किऊल से 23.47 बजे, दूसरे दिना झाझा से 00.55 बजे, जसीडीह से 01.30 बजे, मधुपुर से 01.55 बजे तथा चित्तरंजन से 02.47 बजे छूटकर आसनसोल 03.50 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान (अनारक्षित) के 20 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

टीसीएस कंपनी 12,000 से अधिक कर्मचारियों की कर रही छंटनी

एआई टेक्नलॉजी बदलाव और बाजार विस्तार के बीच कर्मचारियों को फिर से ट्रेनिंग

(जीएनएस)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) केकारण अब तक लाखों लोगों ने नौकरियां गवां दी है। इसके चलते अब एक बड़ी कंपनी में बड़े स्तर पर ले-ऑफ होने जा रहा है। टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) एआई टेक्नलॉजी बदलाव और बाजार विस्तार के बीच कर्मचारियों को फिर से ट्रेंड कर रही है। इसके चलते कंपनी 12,200 पदों को समाप्त कर रही है।

समाचार एजेंसी रायटर्स के अनुसार, भारत की सबसे बड़ी आईटी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी टीसीएस वित्तीय वर्ष 2026 में अपने कर्मचारियों की संख् या में दो प्रतिशत की कमी करेगी, जिसका असर मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन पर पड़ेगा। इसका मतलब है कि 12,000 से अधिक नौकरियां कम हो जाएंगी।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के. कृतिवासन ने इसी महीने कहा था कि ग्राहकों द्वारा निर्णय लेने और परियोजनाओं को शुरू करने में देरी हो रही है। कंपनी का कहना है कि नए बाजारों में प्रवेश करने, नई तकनीक में निवेश करने और एआई को लागू करने के साथ-साथ वह अपने कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित और तैनात कर रही है। हालांकि, इस प्रक्रिया के तहत लगभग 12,200 नौकरियां खत्म की जाएंगी।

कंपनी ने कहा कि इस बदलाव की योजना सावधानीपूर्वक बनाई जा रही है ताकि हमारे कस् टमर्स की सर्विस पर कोई प्रभाव न पड़े।

मनीकंट्रोल के साथ एक साक्षात्कार में के. कृतिवासन ने स्वीकार किया कि टेक्नलॉज और प्रोफेशलन वर्क में बदलाव इस आंतरिक परिवर्तनों को गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम नई तकनीकों, विशेष रूप से एआई और ऑपरेटिंग मॉडल में बदलावों पर जोर दे रहे हैं। काम करने के तरीके बदल रहे हैं। हमें भविष्य के लिए तैयार और फुतीर्ला रहने की जरूरत है। हम बड़े पैमाने पर एआई को लागू कर रहे हैं और उन कौशलों का मूल्यांकन कर रहे हैं जिनकी हमें भविष्य के लिए आवश्यकता होगी।"

उन्होंने आगे कहा कि कर्मचारी विकास और करियर के अवसरों में महत्वपूर्ण निवेश के बावजूद, "हमें पता चला है कि कुछ भूमिकाएं ऐसी हैं जहां पुनः तैनाती प्रभावी नहीं रही है। इससे हमारे वैश्विक कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत प्रभावित होगा, मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तरों पर। यह आसान निर्णय नहीं था और सीईओ के रूप में मुझे सबसे कठिन निर्णय लेने पड़े हैं।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह कदम AI-संचालित उत्पादकता सुधार या आर्थिक कारकों और मांग से संबंधित कारकों के कारण उठाया गया है, तो कृतिवासन ने स्पष्ट किया, "यह एआई के कारण नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए स्किल के लिए है। यह तैनाती में व्यवहार्यता के बारे में है, इसलिए नहीं कि हमें कम लोगों की आवश्यकता है।"

डीएम ने किया कुछ ऐसा काम, बच्चों की खुशी का नहीं रहा ठिकाना

मध्याह्न भोजन का समय होने पर अधिकारियों ने बच्चों के साथ मेस में किया भोजन

महाराजगंज (जीएनएस)। आज नवोदय विद्यालय के बच्चों के आश्चर्य और खुशी का उस समय ठिकाना नहीं रहा, जब जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा अचानक उनके साथ मध्यान्ह भोजन करने पहुंचे।

समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के संदर्भ में परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के उपरांत दोनों अधिकारी नवोदय विद्यालय धनेवा धनेई पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने विद्यालय परिसर, हॉस्टल, मेस, रसोई आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों के मध्याह्न भोजन का समय होने पर दोनों अधिकारियों ने बच्चों के साथ मेस में भोजन किया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय में मौजूद सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने बच्चों से उनके भावी योजनाओं के बारे में पूछा। इस दौरान बच्चों ने खुलकर दोनों अधिकारियों से अपने भावी सपनो और लक्ष्यों के बारे बताया। किसी ने आईएएस बनने की बात की तो कोई

डॉक्टर बनने की ख्वाहिश व्यक्त कर रहा था। इंजीनियर और खिलाड़ी बनने की इच्छा भी कई बच्चों ने व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि नवोदय विद्यालय भारत ही नहीं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में एक है। नवोदय विद्यालय से निकलकर अनेक लोगों ने देश और दुनिया में नाम कमाया है। जिलाधिकारी ने बच्चों से कहा कि आप लोग खुशकिस्मत हैं कि इस विद्यालय में पढ़ने का अवसर मिला है। इस अवसर का लाभ उठाए और मन लगाकर पढ़ाई करिए। निश्चित रूप से आप सभी लोग अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने भी सभी बच्चों को भविष्य के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि शिक्षा वह शक्ति है जिससे हम अपने सभी सपनो को पूरा कर सकते हैं। आप लोग नवोदय के विद्यार्थी हैं, तो निश्चित रूप से अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर यहां पहुंचे हैं। आगे भी आप लोग इसी लगन और परिश्रम के साथ काम करिए। निश्चित रूप से सफलता आपके कदम चूमेगी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य आर.के. राय ने बच्चों की ओर से एक वाटर कूलर लगवाने का अनुरोध जिलाधिकारी से किया। जिलाधिकारी ने तत्काल नवोदय विद्यालय में वाटर कूलर लगवाने का निर्देश दिया। उन्होंने वाटर कूलर लगवाने के काम को आज ही पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रधानाचार्य नवोदय विद्यालय से कहा कि बच्चों के हित में किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर अवगत कराएं। जिला प्रशासन न्यूनतम समय में आवश्यकता को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसको विद्यालय प्रबंधन सुनिश्चित करे।

आधे से अधिक अभ्यर्थी रहे नदारद, कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा सकुशल सम्पन्न

केंद्रों पर कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षों, क्लॉक रूम आदि का निरीक्षण किया गया।

महाराजगंज(जीएनएस)। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना द्वारा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा (प्रारंभिक) 2025 की तैयारियों के दृष्टिगत जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज, लिटिल फ्लावर स्कूल, बिशप एकेडमी, श्री शिवजपत सिंह इंटर इंटर कॉलेज भिटौली, पंचायत इंटर कॉलेज परतावल का निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त केंद्रों पर कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षों, क्लॉक रूम आदि का निरीक्षण किया गया। दोनों अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरे, मेडिकल टीम की तैनाती, साफ-सफाई और सुरक्षा सहित अन्य इंतजामों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी द्वारा तैनात मजिस्ट्रेटों और केंद्र व्यवस्थापकों से परीक्षा के सकुशल संचालन के संदर्भ में जा आखरी की गई और निर्देशित किया गया कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के निदेर्शानुसार ही सभी कार्यवाहियों को संपन्न कराएं। यदि

कोई समस्या होती है तो तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं। कहा कि आयोग द्वारा प्रतिबन्धित किसी भी प्रकार की सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अन्दर लेकर न जाने पाये।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा की गोपनीयता को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को केंद्र पर आयोग के दिशा निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करवाने हेतु निर्देशित किया।

जनपद में कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र के लिए 01 केंद्र व्यवस्थापक, 01 सह केंद्र व्यवस्थापक, 01-01 स्टैटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही 05 जोनल अधिकारी के रूप में एसडीएम को नामित किया गया था।

आज समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी 2023 की आरंभिक परीक्षा हेतु कुल जनपद में कुल 7984 अभ्यर्थियों का पंजीकरण हुआ था। कुल 3883 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 4101 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। अभ्यर्थियों की कुल उपस्थिति 48.63 प्रतिशत रही। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई और कहीं से कोई अप्रिय समाचार प्राप्त नहीं हुआ।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक सहित संबंद्धित अधिकारी व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

जेएमएम की दावेदारी, महागठबंधन के लिए मजबूरी या मजबूती? समझिए सीट शेयरिंग का पूरा गणित

(जीएनएस)।

विधानसभा चुनाव 2025 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है, और इसी के साथ राज्य की सियासत में उबाल आने लगा है। इस बार मुकाबला केवल NDA और महागठबंधन के बीच नहीं है, बल्कि खुद महागठबंधन के भीतर भी तालमेल और सीट बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है।

ताजा मामला झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) का है, जिसने बिहार में 12 सीटों की ठोस दावेदारी कर दी है। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या राष्ट्रीय जनता दल (RJD) इस 'राजनीतिक वापसी उपहार' को स्वीकार करेगी या इसके चलते गठबंधन में दरार आ सकती है?

झारखंड में RJD को JMM ने दिया था सहयोग

2024 के झारखंड विधानसभा चुनावों में JMM ने RJD को 6 सीटें दी थीं और एक मंत्री पद भी। अब JMM नेता यह कह रहे हैं कि "अब बारी आपकी है", यानी बिहार में उन्हें उतनी ही राजनीतिक हिस्सेदारी चाहिए। JMM की दलील है कि हमने झारखंड में सहयोग किया, अब बिहार में वापसी चाहिए।

JMM की बिहार में क्या है पकड़?

बिहार में JMM की राजनीतिक पकड़ सीमित है, लेकिन सीमांचल और अंग क्षेत्र की कुछ सीटों पर आदिवासी वोटर निर्णायक भूमिका निभाते हैं, जैसेः टारापुर, बेलहर, झाझा, कटोरिया, खटट इन्हीं सीटों पर दावेदारी कर रही है और आदिवासी पहचान के नाम पर समर्थन जुटाने की रणनीति पर है। ये सीटें संथाल और अन्य आदिवासी समुदायों से प्रभावित मानी जाती हैं, जहां खटट सहानुभूति लहर के सहारे पैर जमाने की कोशिश में है।

सीट शेयरिंग को लेकर पहले से ही रस्साकशी

महागठबंधन के भीतर सीट शेयरिंग को लेकर पहले से ही रस्साकशी जारी है। कांग्रेस 70 से अधिक सीटों की मांग कर रही है, वामपंथी दल अपने परंपरागत गढ़ों को छोड़ने को तैयार नहीं, और अब श्क्ढ (विकासशील इंसान पार्टी) भी 40 से 60 सीटों की दावेदारी के साथ मैदान में है। ऐसे में झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की 12 सीटों की मांग इस समीकरण को और जटिल बना रही है।

'सरकार एक ₹निकम्मी₹ चीज है', मोदी सरकार के दिग्गज मंत्री ने क्यों बोली ये बात? क्यों भड़क उठे

(जीएनएस)।

पीएम मोदीनरेद्रं मोदी सरकार मंत्री नितिन गडकरी अपने शानदार काम ही नहीं अपने सधे हुए अंदाज के लिए जाने जाते है। लेकिन केंद्रीय गडकरी ने हाल ही में मंच पर से ऐसा बयान दिया है जिसने एक बार फिर सबका ध्यान आकर्षित किया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक विवादास्पद बयान में सरकार को 'निकम्मी' बताया है। जानिए नितिन गडकरी जो कि स्वयं मोदी कैबिनेट और सरकार का हिस्सा हैं तो उन्होंने ये बात क्यों कही?

कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि किसी भी चीज के लिए शुल्क लेना आवश्यक है, मुफ्त में कुछ नहीं सिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति में तो मुफ्तखोरों का बाजार होता है, जहां हर कोई सब कुछ मुफ्त में चाहता है, लेकिन वे (गडकरी) मुफ्त में कुछ भी नहीं देते।

सरकार एक "निकम्मी" चीज है जो...

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एक "निकम्मी" चीज है जो चलती गाड़ी को भी पंक्चर कर सकती है। गडकरी ने कहा कि सरकार किसी भी कॉर्पोरेशन के भरोसे कोई काम नहीं करती, बल्कि चलती गाड़ी को पंक्चर करने में माहिर है। उन्होंने मुफ्त योजनाओं पर भी तंज कसते हुए कहा कि वे मुफ्त में कुछ भी नहीं देते।

"कॉर्पोरेशन के भरोसे कोई काम नहीं होता"

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा, "मेरे चार साल के अनुभव के बाद मुझे यह समझ आया कि सरकार एक बहुत ही निकम्मी चीज है।" उन्होंने आगे कहा कि कॉर्पोरेशन के भरोसे कोई काम नहीं होता, ये तो चलती गाड़ी को पंक्चर करने में माहिर होते हैं।

क्यों नितिन गडकरी ने सरकार को कहा निकम्मा?

दरअसल, नागपुर में स्टेडियम बनवाने की अपनी इच्छा को लेकर सरकारी उदासीनता से वे काफी निराश थे। इसी निराशा में उन्होंने यह बयान दिया। अपनी बेबाक राय के लिए पहचाने जाने वाले गडकरी ने एक कार्यक्रम में मुफ्त की योजनाओं पर भी निशाना साधा।

"सबको फोकट का कुछ चाहिए"

गडकरी ने मुफ्तखोरी की मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि हर किसी को मुफ्त में सब कुछ चाहिए, लेकिन वे मुफ्त में कुछ भी नहीं देते। उन्होंने कहा कि राजनीति में सबकुछ मुफ्त है, लेकिन ऐसी सोच नहीं होनी चाहिए।

वनटांगिया ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने की खास पहल

(जीएनएस)।

ग्राम सभा बेलासपुर वनटांगिया में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निदेर्शानुसार वृहद वनग्राम स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया जिसमे स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा वन ग्राम के ग्रामीणों/लाभार्थियों को विस्तृत सेवाएं दी गईं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गईं सेवाएं

1. टेलिमानस के अंतर्गत मानसिक रोग से पीड़ित मरीजों का 14416 नंबर पर फोन के माध्यम से काउंसलिंग कराया गया।

2. 167 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई।

3. डॉक्टर द्वारा 167 मरीजों की डढऊ की गई एवं समस्त मरीजों को दवा उपलब्ध कराया गया।

4. आशा/ ए०एन०एम०/ सी०एच०ओ० द्वारा 12 लाभार्थियों का आभा कार्ड बनाया गया।

5. डढऊ के दौरान डॉक्टर की सलाह पर सभी मरीजों का हिमोग्लोबिन, हेपेटाइटिस, मलेरिया आदि जांच किया गया।

6. पॉजिटिव 2 लोगों को पोषण पोटली वितरित किया गया।

7. मुख्य चिकित्साधिकारी महाराजगंज, एवं अधीक्षक सामु०स्वा० केंद्र परतावल द्वारा 12 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया।

ब्लॉक परतावल अंतर्गत दी गई सेवाएं

1. दो लाभार्थियों का शौचालय हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया

2. पंचायत सहायक द्वारा 15 ग्रामीणों से फीडबैक दिलवाया गया

3. पंचायत सहायक द्वारा 3 परिवारों का फैमिली आई डी बनाया गया

4. स्वास्थ्य मेले में 3 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया

आज के आयोजित स्वास्थ्य मेले का अनुश्रवण मुख्यचिकित्साधिकारी (डॉ श्रीकांत शुक्ला) महराजगंज द्वारा किया गया इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक (डॉ अनिल जायसवाल), जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीरज सिंह, सत्येंद्र सिंह की उपस्थिति में किया गया।

स्वास्थ्य मेले के सफल संचालन हेतु पंचायत सचिव (सृष्टि सिंह),ग्राम प्रधान मीना देवी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि छोटेलाल, ए०डी०ओ० समाज कल्याण, ए०डी०ओ० पंचायत, सुधीर सिंह, अखलाक अहमद,दुर्गावती सिंह, पूजा गौतम, असीम जयसवाल औरा स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर फुरकान, संजीव सिंह, प्रदीप कुमार, अतुलेन्द्र

बिजली कटौती से बढ़ा जनआक्रोश, अखिलेश बोले- सरकार ने जनता के भरोसे के खंभे तक गिरा दिए

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में गर्मी के साथ बिजली संकट ने भी जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अघोषित बिजली कटौती और बेहिसाब बिलों के बीच अब विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को प्रदेश की बिजली व्यवस्था पर हमला बोलते हुए कहा कि अब राज्य में बिजली विभाग का ट्रांसफॉर्मर 'उड़' चुका है और जनता का सरकार से भरोसा भी 'उखड़' गया है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली विभाग की हालत बद से बदतर हो चुकी है। मंत्री और अधिकारियों के बीच कोई तालमेल नहीं है और जन आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार न तो उत्पादन बढ़ा पाई, न ही वितरण व्यवस्था में कोई सुधार कर सकी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में अब केवल बिजली के भारी-भरकम बिल ही आ रहे हैं, जबकि बिजली खुद नदारद है। आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ता जा रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर कुछ भी ठोस नहीं मिल रहा।

गांव-कस्बों की हालत का अंदाजा लगाना मुश्किल

अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली संकट राजधानी लखनऊ तक पहुंच चुका है। शहर के कई इलाकों में दिन-रात कटौती हो रही है। छात्र, व्यापारी और आमजन सभी परेशान हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजधानी की यह स्थिति है, तो बाकी जिलों और ग्रामीण इलाकों की हालत कैसी होगी?

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि जब तक लोग उपकेंद्रों पर प्रदर्शन नहीं करते, सरकार हरकत में नहीं आती। उन्होंने इसे सरकारी मशीनरी की असफलता बताते हुए कहा कि जनसुनवाई का कोई स्पष्ट ढांचा ही नहीं बचा है।

उत्पादन शून्य, भ्रष्टाचार चरम पर

सपा अध्यक्ष का दावा है कि भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में बिजली उत्पादन का एक भी नया प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया। उन्होंने कहा कि जो बिजली आज लोगों को मिल रही है, वह समाजवादी सरकार के समय बने संयंत्रों से आ रही है।

उनका कहना है कि उत्पादन का पहिया जाम है, संचार व्यवस्था ठप है और डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। यादव ने पूछा कि आखिर नौ साल में भाजपा ने बिजली के क्षेत्र में क्या नया किया?

किसानों को नहीं मिल रही सिंचाई के लिए बिजली

जल्द मिलेगी मेट्रो ट्रेन की सौगात, जानिए कब से होगी शुरू, सीएम मोहन यादव ने किया ट्रायल रन

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के लिए एक ऐतिहासिक कदम की ओर बढ़ते हुए, भोपाल मेट्रो (भोज मेट्रो) परियोजना अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 जुलाई 2025 को भोपाल मेट्रो के प्राथमिकता कॉरिडोर (सुभाष नगर से एम्स) का निरीक्षण किया और स्वयं मेट्रो ट्रेन में सवार होकर सुभाष नगर से एम्स और वापसी में रानी कमलापति स्टेशन तक ट्रायल रन लिया।

इस दौरान उनके साथ राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर भी मौजूद थीं। सीएम ने घोषणा की कि अक्टूबर 2025 तक भोपालवासियों को मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल जाएगी। यह परियोजना न केवल भोपाल की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और शहरी विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। आइए, इस खबर के जरिए भोपाल मेट्रो के ताजा अपडेट और इसके शुरू होने की तारीख को विस्तार से जानते हैं।

भोपाल मेट्रोः परियोजना का अवलोकन

भोपाल मेट्रो, जिसे भोज मेट्रो के नाम से भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (MPMRCL) द्वारा निर्मित एक मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (MRTS) है। इस परियोजना की शुरूआत सितंबर 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा आधारशिला रखकर की गई थी। भोपाल मेट्रो का पहला चरण 27.87 किलोमीटर लंबा है, जिसमें दो लाइनें शामिल हैं:

ऑरेंज लाइनः करोंद सर्कल से एम्स तक (14.99 किमी, 16 स्टेशन)

ब्लू लाइनः भदभदा स्क्वायर से रतनगिरी तिराहा तक (12.88 किमी, 13 स्टेशन)

प्राथमिकता कॉरिडोर, जो सुभाष नगर से एम्स तक 6.22 किलोमीटर का है, इसमें 8 स्टेशन शामिल हैं। इस कॉरिडोर का निर्माण कार्य 90% से अधिक पूरा हो चुका है, और इसे अक्टूबर 2025 में जनता के लिए खोलने की योजना है। परियोजना की कुल लागत लगभग 6941.40 करोड़ रुपये है, जिसमें से प्राथमिकता कॉरिडोर की लागत 2225 करोड़ रुपये है। इस परियोजना को एशियन डेवलपमेंट बैंक (अउइ) और यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (एक्इ) से 400 मिलियन यूरो के ऋण के माध्यम से आंशिक रूप से वित्तपोषित किया जा रहा है।

सीएम का निरीक्षण और ट्रायल रन

27 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल मेट्रो के प्राथमिकता कॉरिडोर का दौरा किया। उन्होंने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से एम्स तक और वापसी में रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन का

भोपाल में हिंदू लड़कियों को निशाना बनाकर ड्रग्स, यौन शोषण और धर्मांतरण का मामला: पूरा सच और ताजा खुलासे

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हिंदू लड़कियों को टारगेट कर ड्रग्स देकर यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और धर्मांतरण के दबाव का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह मामला 1992 के कुख्यात अजमेर रेप कांड की याद दिलाता है, जिसमें संगठित गिरोह द्वारा सुनियोजित तरीके से हिंदू छात्राओं को प्रेम जाल में फंसाकर उनका शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया।

भोपाल में इस मामले ने सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (ठलफ्ठ) और राष्ट्रीय महिला आयोग (ठउह) ने इसकी गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की है, जबकि पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस लेख में हम इस मामले के पूरे घटनाक्रम, आरोपियों के तौर-तरीकों, पुलिस कार्रवाई और सामाजिक प्रतिक्रिया को विस्तार से समझेंगे।

मामला क्या है?

भोपाल के रायसेन रोड स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज (ळक्ळ कॉलेज) और शहर के हाई-प्रोफाइल पब व क्लबों से जुड़ा यह मामला अप्रैल 2025 में तब सामने आया, जब बैतूल की एक 20 वर्षीय छात्रा ने 17

अप्रैल को बागसेवनिया थाने में शिकायत दर्ज की। उसने बताया कि मुख्य आरोपी फरहान खान ने 2022 में उसे प्रेम जाल में फंसाया, जहांगीराबाद में अपने दोस्त हमीद के घर ले जाकर उसका यौन शोषण किया और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। इस वीडियो के जरिए फरहान ने न केवल उसका शारीरिक शोषण जारी रखा, बल्कि उसकी बहन और सहेलियों को भी अपने गिरोह में शामिल करने का दबाव डाला।

जांच में पता चला कि यह एक संगठित गिरोह का काम है, जो हिंदू लड़कियों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाता था। गिरोह के सदस्य पहले दोस्ती करते, फिर प्रेम का नाटक करके या ड्रग्स की लत लगाकर लड़कियों के साथ शारीरिक संबंध बनाते और इसका वीडियो रिकॉर्ड करते। इन वीडियोज को वायरल करने की धमकी देकर लड़कियों को ब्लैकमेल किया जाता और उनकी सहेलियों को भी जाल में फंसाने के लिए मजबूर किया जाता। कुछ मामलों में पीड़िताओं पर इस्लाम अपनाने, रोजा रखने, बुरका पहनने और हिंदू धार्मिक प्रथाओं को छोड़ने का दबाव डाला गया।

ड्रग्स कनेक्शन और हाई-प्रोफाइल नेटवर्क

जुलाई 2025 में भोपाल क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में इस मामले का ड्रग्स तस्करी से गहरा कनेक्शन सामने आया। पुलिस ने ड्रग्स तस्कर यासीन अहमद (उर्फ यासीन मछली) और उसके चाचा शाहवर अहमद को गिरफ्तार किया, जो भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन के पास दो पबों में डीजे की आड़ में एमडी ड्रग्स (मेथमफेटामाइन) की तस्करी करते थे। यासीन के मोबाइल से 20 से अधिक वीडियो बरामद हुए, जिनमें ड्रग्स के नशे में चूर लड़कियों का यौन शोषण किया जा रहा था।

पुलिस पूछताछ में यासीन ने खुलासा किया कि वह और उसका गिरोह हाई-प्रोफाइल पबों और क्लबों (जैसे क्लब-90) में लड़कियों को मुफ्त में ड्रग्स देकर उनकी लत लगवाता था। शुरूआत में ड्रग्स को "पार्टी एंजॉय करने की दवा" बताकर मुफ्त दिया जाता था। जब लड़कियां लत की शिकार हो जाती थीं, तो ड्रग्स की ऊंची कीमत वसूलने के लिए उन्हें यौन शोषण या ड्रग्स तस्करी के लिए मजबूर किया जाता था। यासीन ने यह भी स्वीकार किया कि वह हथियारों की तस्करी में भी शामिल था

और उसके पास से 22 बोर का देसी कट्टा बरामद हुआ।

क्लब-90 में ड्रग्स पार्टियों का आयोजन होता था, जहां लड़कियों को नशे की हालत में यौन शोषण का शिकार बनाया जाता था। एक पीड़िता ने बताया कि यासीन और उसके साथी शारिक मछली (एक बड़े मछली कारोबारी) के संरक्षण में काम करते थे। शारिक के गुर्गों ने पीड़िताओं के वीडियो बनाकर उन्हें सेक्स स्लेव के रूप में इस्तेमाल करने की धमकी दी।

पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारियां

पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया हैः

फरहान खानः मुख्य आरोपी, जिसने कॉलेज में हिंदू लड़कियों को टारगेट किया।

नीतीश सरकार का सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का ऐलान, समझें फैसले से जुड़ा वोटों का गणित

बिहार में विधानसभा चुनाव में अब तीन महीने से भी कम वक्त का समय बचा है। सीएम नीतीश कुमार एक के बाद एक बड़े ऐलान कर रहे हैं। विधवा पेंशन बढ़ाने से लेकर अगले पांच सालों में एक करोड़ नौकरी का वादा और पत्रकारों के लिए पेंशन जैसे अहम ऐलान कर चुके हैं। इतना ही नहीं अब उन्होंने प्रदेश में सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का ऐलान किया है। नीतीश के इस फैसले के पीछे चुनावी वोट गणित का गुणा भाग भी शामिल है।

नीतीश कुमार ने फैसले की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि सफाई कर्मचारियों के बेहतर भविष्य के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। इससे उनके मुद्दों को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा और सम्मानजनक जीवन जीने की दिशा में यह एक और कदम साबित होगा। नीतीश के इस फैसले के पीछे के राजनीतिक समीकरण समझते हैं।

नजर बड़ी आबादी के वोट बैंक पर

सीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार राज्य में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मैंने बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का विभाग को निर्देश दिया है।'

बिहार में करीब 1.25 लाख सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें एक बड़ा हिस्सा नगर निकायों और पंचायतों में दैनिक मजदूरी या अनुबंध पर कार्य करता है। आम तौर पर सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करने वाले बहुसंख्यक कर्मचारी सामाजिक पायदान में निचले वर्ग से आते हैं। इन 1.25 लाख सफाई कर्मचारियों के अलावा बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र में भी सफाई का काम करने वाले लोग शामिल हैं। इस योजना के जरिए नीतीश सरकार की कोशिश अपनी कल्याणकारी छवि समाज के वंचित वर्ग तक पहुंचाने की है।

दलित वोट बैंक पर पकड़ मजबूत करने की रणनीति

सफाई कर्मचारी समुदाय ज्यादातर महादलित और अनुसूचित जातियों से आते है। नीतीश कुमार की अब तक की राजनीतिक सफलता के पीछे बड़ा हाथ दलित और महादलित वोट बैंक और महिलाओं से मिला समर्थन रहा है। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महादलित वोट बैंक को अपने साथ जोड़कर रखना नीतीश और एनडीए दोनों के लिए जरूरी है। यह आयोग इस वर्ग को सरकार के करीब लाने का माध्यम बन सकता है।

विपक्ष के सामाजिक न्याय एजेंडे की काट

तेजस्वी यादव और विपक्षी पार्टिया सामाजिक न्याय की राजनीति को आधार बना रही हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी खास तौर पर ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधित्व और भागीदारी की बात कर रहे हैं। ऐसे में सफाई कर्मचारियों के लिए आयोग बनाकर नीतीश सरकार सामाजिक न्याय के मुद्दे पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

स्थानीय निकायों में राजनीतिक विस्तार की योजना

नगर निकाय चुनावों में सफाई कर्मचारी समुदाय की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। आयोग के जरिए सरकार इस समुदाय को राजनीतिक रूप से प्रशिक्षित और समर्थ बनाकर अपने पक्ष में लामबंद करना चाहती है। चुनाव से पहले नीतीश कुमार सभी वर्गों के लिए बड़े ऐलान कर रहे हैं। महिलाओं को ध्यान में रखकर राज्य की सभी सरकारी सेवाओं, संवर्गों और सभी स्तरों के पदों पर सीधी नियुक्ति में 35% आरक्षण का भी ऐलान किया है। अब देखना है कि इस फैसले का दूरगामी असर कहां तक पड़ता है।

'देशभक्ति दिखाना बंद करो,' दानिश कनेरिया ने भारतीय टीम को सुनाई खरीखोटी, एशिया कप को लेकर किया तीखा वार

(जीएनएस)।

एशिया कप टूनामेंट की घोषणा हो गई है और इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। दोनों टीमों के बीच हाल ही में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान टक्कर देखने को मिली थी। खबरें आ रही थीं कि बीसीसीआई इस इवेंट से खुद को पीछे खींच लेगी लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं होती है लेकिन अन्य इवेंट्स में भिड़ंत देखने को मिलती है। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत ने पाकिस्तान से नहीं खेलने का फैसला लिया था। वह रिटायर्ड प्लेयर्स की लीग थी।

इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने बीसीसीआई और भारतीय टीम के खिलाड़ियों को खरीखोटी सुनाई है। आम तौर पर भारत की तारीफों के पुल बांधने वाले कनेरिया ने कहा है कि आपको देशभक्ति का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए और कोई ठोस

फैसला लेना चाहिए।

कनेरिया ने एक्स पर लिखा कि भारतीय खिलाड़ियों ने हउछ का बहिष्कार किया और इसे राष्ट्रीय कर्तव्य कहा। लेकिन अब एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना बिलकुल ठीक है? अगर पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खेलना ठीक है, तो फिर हउछ भी ठीक होना चाहिए था। जब सुविधा हो तभी देशभक्ति दिखाना बंद करो। खेल को खेल रहने दो, उसे प्रोपेगेंडा मत बनाओ।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाया था और ऑपरेशन सिंदूर हुआ था। इसके बाद पूर्व क्रिकेटरों ने पाक के साथ खेलने से मना किया था। इनमें हरभजन, शिखर धवन, इरफान पठान और युसूफ पठान सबसे आगे थे। पाकिस्तान के खिलाफ हउछ का वह मुकाबला रद्द हो गया था।

अब एशिया कप भारत की मेजबानी में यूएई में खेला जाएगा। यह इवेंट 9 सितंबर से शुरू हो जाएगा। पाकिस्तानी टीम खेलने के लिए भारत में नहीं आएगी, इस वजह से इवेंट को शिफ्ट करते हुए यूएई में आयोजित कराने का फैसला हुआ, इसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी।